

- (2) Statements (in English and Hindi) giving reasons for delay in laying papers mentioned at i(i) to (iii) above. [Placed in Library. See No. L.T. 5848/02]

QUESTION OF PRIVILEGE

Reported threat by cable T.V Operators

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): आदरणीय सभापति महोदय : मैंने रूल 187 के तहत एक नोटिस दिया है। कल इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में, खास तौर से “आज तक” में और [इंडिया टाइम्स डॉट कॉम] में राकेश दत्त, जो केबल ऑपरेटर्स यूनाइटेड फ्रंट के लीडर है, उनके हवाले एक वक्तव्य आया है कि “Our agitation is aimed against the MPs who are opposing the Bill to protect the vested interests.” यह जो केबल टी.वी. नेटवर्क बिल अभी इस राज्य सभा में डिस्कशन के लिए आना है, उसके सिलसिले में केबल ऑपरेटर्स के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने यह गैर-जिम्मेदार बयान दिया है कि वे संसद सदस्य जो इस बिल के खिलाफ अपना मत व्यक्त करेंगे य बोलेंगे, उन्हें केबल सुविधा से वंचित का दिया जाएगा और साथ ही ब्लैक लिस्टिड भी कर दिया जाएगा। महोदय, भारतीय संविधान के आर्टिकल 105 के क्लॉज 1 में यह व्यवस्था है कि कोई भी संसद सदस्य अपना मत निर्भीकता से इस सदन में व्यक्त कर सकता है और किसी भी बिल के पक्ष या विपक्ष में मतदान कर सकता है। दरअसल इस प्रकार का गैर जिम्मेदार वक्तव्य केबल ऑपरेटर्स के जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा दिया जाना निश्चित रूप से संसद सदस्यों के जो संवैधानिक दायित्व हैं, और जिस निर्भीकता की उनसे अपेक्षा की जाती है, उनको धमकाने की नीयत से दिया गया वक्तव्य है और मैं ऐसा मानकर चलता हूँ कि इसके पीछे सरकार का संरक्षण मिला हुआ है।

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बिहार): यह कहाँ से आया?.....(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी : ठीक इसी प्रकार के मामले राज्य सभा में 3 अगस्त, 1971 को और 31 जुलाई, 1967 में इस सदन में उठे हैं जिनके जरिए अगर किसी संसद सदस्य को धमकी दी गयी है या उनको अपना मत व्यक्त करने के मामले में प्रताड़ित करने की चेष्टा की गयी है तो वह ब्रीच ऑफ प्रीविलेज का केस बनता है। मैं आपसे आग्रह करना चाहूँगा कि यह मामला प्रीविलेज का बनता है। जिन पदाधिकारियों ने, चाहे वह राकेश दत्त हों, चाहे केबल ऑपरेटर्स के जो पदाधिकारी हैं जिन्होंने इस प्रकार का गैर जिम्मेदाराना और धमकी भरा वक्तव्य दिया है, उनके खिलाफ प्रीविलेज का केस बनता है। इस मैटर को प्रीविलेज कमेटी के सामने प्रस्तुत किया जाए और हमें आपके माध्यम से संरक्षण प्रदान किया जाए ताकि हम निर्भीकता से अपना मत यहां पर व्यक्त कर सकें। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: I will look into it ... (Interruptions)...

डा. अबरार अहमद (राजस्थान): हम सब इसका समर्थन करते हैं।.....(व्यवधान)...

श्री प्रेम गुप्ता (बिहार) : सर, इसको आप रिव्यू कीजिए(व्यवधान)... पूरा हाउस इसका समर्थन कर रहा है और इसके ऊपर ऐक्शन होना चाहिए ।.....(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal) : Sir, the Government also must respond to it. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: It is a matter of privilege. I will look into it. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): महोदय, यह खाली प्रीविलेज का मामला नहीं है।(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी : संसदीय कार्य मंत्री यहां मौजूद हैं , उन्हें इस संबंध में क्या कहना है?(व्यवधान)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी : पूरा सदन इस संबंध में.....(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : I am charging the Government that they are sponsoring this. ... *(Interruptions)*.. This is a piece of legislation brought forth by the Government This is a typical fascist way of subverting democracy. ...*(Interruptions)*...] am charging the Government that they are sponsoring it. This piece of legislation has been brought before the House and an external pressure is being brought on the House to take a quick decision. This is the typical fascist way of subverting the democracy. I am charging the Government of sponsoring this agitation outside the House. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Motilal Vora. ...*(Interruptions)*..A will look into it.

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): माननीय सभापति महोदय, मैं नियम 180 के अधीन.....(व्यवधान)...

श्री प्रेम गुप्ता : सर, यह ठीक नहीं है । इस पर तुरंत ऐक्शन लेना चाहिए । पूरे हाउस को(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: We want the Leader of the House to respond to it. He is not here in the House. Mr. Advani is here and he should respond. ...*(Interruptions)*...

प्रो. रामदेव भंडारी (बिहार): संसद को चुनौती दे रहे हैं ।.....(व्यवधान)....

श्री लालू प्रसाद (बिहार) : पूरी संसद को(व्यवधान)....

श्री प्रेम गुप्ता : पूरे हाउस की भावना का ध्यान रखना चाहिए ।.....(व्यवधान)....

श्री लालू प्रसाद : यह तो पार्लियामेंटरी सिस्टम की, डेमोक्रेटिक सिस्टम की(व्यवधान)....

उप प्रधान मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी): सभापति महोदय, मैं विषय से पूरी तरह से परिचित नहीं हूँ। लेकिन एक तरफ एक विषय उठाया गया, विशेषाधिकार का और वह विशेषाधिकार का विषय जो है — अगर संसद की अवमानना किसी ने भी की है तो उसे विशेषाधिकार समिति में भेजना या सदन में रखना, यह आपका अधिकार है लेकिन जब इसमें यह कहा गया कि सरकार इसके लिए उत्तरदायी है तो मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि सरकार का इससे कोई संबंध नहीं है।

श्री सुरेश पचौरी : क्या सरकार को यह आश्वासन देना चाहिए कि मानसून सत्र में अगर यह बिल हम पास कर देंगे(व्यवधान)....सरकार की तरफ से आश्वासन दिया गया है न कि हम इस बिल को इसी मानसून सत्र में पास कर देंगे।....(व्यवधान)....

श्री लालू प्रसाद (बिहार): महोदय, केबल कट गया....(व्यवधान)....केबल टी.बी. की कोई जरूरत नहीं है, देश के बच्चे खराब हो रहे हैं, उनका रहन-सहन, खान-पान बिगाड़ा जा रहा है। इसको आप नहीं करेंगे तो हम नौच-नाचकर फैंक देंगे। हम इसे बाहर कर देंगे। यह संसद का अपमान हुआ है। इसको मंजूर करिए और उन्हें सजा दीजिए क्योंकि किसी भी आदमी को संसद और संविधान के खिलाफ, उसकी आलोचना करने की खुली छूट नहीं दी जा सकती है। केबल को समाप्त करना चाहिए। इनके जरिए जो अश्लीलता दिखाई जा रही है, इसको समाप्त करिए। उन्हें गिरफ्तार किया जाए, यहां कोर्ट बैठाई जाए — क्योंकि यह संसद भी एक कोर्ट के समान है और दोषी व्यक्तियों को सजा मिलनी चाहिए।

MR. CHAIRMAN: Shri Moti Lal V'ohra..(*Interruptions*)...

श्री मोती लाल वोरा: महोदय, मैं नियम 180 के तहत(व्यवधान)....

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, you have to decide the issue of privilege. But, if one goes by the newspaper reports, some of these people met yesterday, the hon. Minister of the concerned Department. And the concerned Minister, according to the newspaper reports, has assured these people that we will get this Bill passed in the Rajya Sabha. Therefore, it strengthens the suspicion in our minds that this agitation is being inspired, aided and abetted by the Government and the statement that has been made by the hon. Dy. Prime Minister does not tally with what is happening on the ground.

SHRI KAPIL SIBAL (Bihar): Sir, I would like to add a point to that..(*Interruptions*)...I do not want to take anybody's name. But, specific articles have appeared in the Press naming the hon. Members of this House who are opposing this Bill. How do they know that we are opposed to the Bill? These conversations have taken place between us and the hon.

Minister individually. We have not told anybody. We have expressed our concerns. We are not opposed to the Bill. We wanted a thorough discussion to take place but motivating, selective material, as appeared in the Press, and naming the hon. Members, as if some have appeared as counsel for the broadcasters and, therefore, they are opposed to the Bill, is not correct. This kind of a thing should not happen and it, certainly, should not come from the Government.

MR. CHAIRMAN: Now, Mr. Moti Lai Vohra...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: It is a question of precedent ...*(Interruptions)*... It is a bad precedent.. *(Interruptions)*... Tomorrow, if any Bill moved by the Government and if there is any opposition, the same thing can happen... *(Interruptions)*... It is a very bad precedent... *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Shri Moti Lai Vohra...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Tomorrow, some other Bill may come before the House and I can sponsor any person...*(Interruptions)*... It is a very bad precedent ...*(Interruptions)*... Tomorrow, someone will threaten those hon. Members who are opposing construction of something somewhere, they will be threatened. There can be such sponsoring... *(Interruptions)*... I am charging this Government. The Government must reply. How could the hon. Minister negotiate with the same people who make such statements?...*(Interruptions)*... They cannot afford it. The hon. Minister had a discussion with these people and this agitation has been suspended temporarily...*(Interruptions)*... I am telling that there is a specific link between the Government and these operators.

SHRI KAPIL SIBAL: We are protesting this. And, as a mark of our protest, we would like to walkout of this House.

श्री लालू प्रसाद: महोदय, हम इसके विरोध में सदन से वाक आउट करते हैं।

(At this stage, some hon. Members left the Chamber)

MR. CHAIRMAN: Mr. Moti Lai Vohra, not present. Mr. M.M. Agarwal.